THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b) Based on the information available from the State/U.T. Governments the total volume of domestic tourist visits in the country during 1991 has been roughly estimated to be about 64 million.

(c) The steps proposed to be taken to promote domestic tourism include development of camping sites, introduction of Paying guest accommodations Scheme, recognition of tour operators engaged in domestic tourism, development of facilities at selected pilgrim centres, domestic publicity etc.

Success rate of trunk calls

*498. SHRI J. S. RAJU;
DR. NARREDDY THULASI REDDY:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1956 given in the Rajya Sabha on the 28th July, 1992 and state the latest call success rate and trunk efficiency percentage.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): Sir, All India Call Success rate and trunk efficiency percentages as on 30-6-1992 are as follows:

Parameter	As on 30-6-92
1. Call Completion rate (Local)	97·27%
2. Call Completion rate (Junction)	92·55%
3. Call Completion rate (STD)	88·46%
4. Manual Trunk Efficiency	77·67%

उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग के कोड नम्बरों में असमानता

*499. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग के कोड नम्बरों में कोई समरूपता/समानता नहीं है जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को टेलीफोन नम्बर मिलाने में दिक्कत होती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कुछ शहरों के कोड नम्बर तीन अंकों में हैं जबकि कुछ अन्य शहरों के कोड नम्बर आठ अंकों में हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार विभिन्न शहरों के उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग के कोड नम्बरों में उसी तरह एकरूपता लाने पर विचार कर रही है जैसी कि डाकघरों के कोड नम्बरों में है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) और (ख) तकनीकी कारणों से किसी शहर/कस्बे की एस.टी.डी. कोड की लंबाई स्थानीय टेलोफोन नंबर की लंबाई के अनुसार भिन्न-भिन्न है। उपभोक्ताओं की सहायता के लिए एस.टी.डी. कोडों का समुचित प्रचार किया जाता है।

(ग) से (ङ) राष्ट्रीय काल के लिए डायल किये जाने वाले अंकों की अधिकतम संख्या 10 तक सीमित रखने